nt>

Title: Insisted on procurement of paddy upto 8% admixture by the Food Corporation of India (F.C.I.).

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : सभापति महोदय, बहुत खेद के साथ मैं आपको एक जानकारी देना चाहता हूं। इसी सदन में माननीय शांता कुमार जी ने बिहार के किसानों के सवाल पर एक वक्तव्य दिया था। उन्होंने कहा था कि बिहार में 19 क्रय केन्द्र खोल दिए गये हैं और 30 क्रय केन्द्र हम और खोलने जा रहे हैं तथा बिहार सरकार जितने केन्द्रों के लिए प्रस्ताव भेजेगी उतने क्रय केन्द्र हम खोलने के लिए तैयार हैं। क्रय केन्द्र और खुलें या नहीं खुलें लेकिन 19 क्रय केन्द्र कमीश्नरी वाइज खुले जरूर हैं। लेकिन एफसीआई के मैनेजर और जो दूसरे संबंधित विभाग के मैनेजर्स हैं उन्होंने भारत सरकार को एक परिपत्र लिखकर भेजा है कि पंजाब में धान की खरीदारी इसलिए हो रही है क्योंकि पंजाब के धान की मानक स्थिति 8 प्रतिशत है और बिहार में धान की मानक स्थिति 3 प्रतिशत है। जब तक बिहार के धान की मानक स्थिति को 8 प्रतिशत नहीं दिया जाएगा तब तक एक किलो भी धान किसी भी एजेंसी के द्वारा, एफसीआई के द्वारा नहीं खरीदा जा सकता है।

इस देश में दो तरह के नियम हैं जबकि पंजाब में बिजली है, उच्च कोटि की जमीन है, बोरिंग है। पंजाब में सारी सुविधाएं हैं। बिहार बाढ़ और सुखाड़ की चपेट से साल भर तबाह रहता है। ऐसी परिस्थिति में बिहार में ज्यादा मानक धान खरीदने की स्थिति पैदा होती है। मेरा आग्रह है कि केन्द्र सरकार आठ प्रतिशत मानक धान खरीदने की व्यवस्था करे। â€¦(व्यवधान)यह एक गम्भीर मामला है। आठ प्रतिशत मानक धान खरीदने की इजाजत मिलनी चाहिए। बिहार सरकार और भारत सरकार देश के किसानों को गुमराह कर रही हैं। यह बिहार के आठ करोड़ लोगों का सवाल है। मेरे पास फोटो हैं जिन्हें आप देख लीजिए कि वहां कैसे गोली चलाने की स्थिति पैदा हो गई?

सभापति महोदय : पहले चेयर को यह दिखाना पड़ेगा।

â€¦(व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :यह गलत बात कर रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप पैनल ऑफ चेयरमैन हैं। आप बैठ जाइए। पप्पू यादव जी, आप अपनी बात समाप्त करिए।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सभापति महोदय, किसानों ने परसों आन्दोलन किया था। उसमें कई गाड़ियां जल गईं। वहां विधायकों पर लाठीचार्ज किया गया। सिविल ड्रैस में पुलिस द्वारा गोली चलाने की नौबत पैदा हो गई। मुझे आपकी रक्षा चाहिए। बिहार में एक तो किसानों की रक्षा अनाज के बारे में नहीं की जाती है और दूसरी तरफ उनके ऊपर गोली चलाई जाती है। बिहार सरकार ने गलत कहा कि उसने क्रय केन्द्र खोले हैं। केन्द्र सरकार ने भी गलत कहा कि वह अनाज की खरीददारी करना चाहती है। आठ प्रतिशत मानक धान खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिए। केन्द्र सरकार बिहार के किसानों के कृषि ऋण माफ करने का भी प्रावधान करे। पुलिस ने जो गोली चलाई, उसके बारे में आप बिहार सरकार को निर्देश दें। मंत्री जी यहां जवाब देकर बताएं कि किसानों का अनाज कब खरीदा जाएगा। जब तक मंत्री जी इस बारे में जवाब नहीं देंगे मैं नहीं बैठूंगा। किसानो का धान कब खरीदा जाएगा?â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप केन्द्र सरकार से क्या चाहते हैं?

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : एफ.सी.आई. द्वारा कब धान खरीदा जाएगा? इस सारे मामले की जांच होनी चाहिए। जान से मारने की साजिश रची गई है। लालू यादव बिहार पुलिस द्वारा पप्पू यादव को और एक-एक को मरवाना चाहते हैं। इस मामले की जाच होनी चाहिए। श्री लक्ष्मी नारायण एम.एल.ए. पर लाठियां चलाई गईं। â€¦(व्यवधान)मैं चुपचाप नहीं बैठूंगा। â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदयः माननीय सदस्य एसोशिएट करना चाहते हैं। आप उन्हें बोलने दें।

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी) :पप्पू यादव जी ने जो कुछ यहां कहा, मैं उसका समर्थन करता हूं। मैं उसके साथ अपने आप को जोड़ कर यह कहना चाहता हूं कि बिहार सरकार मारने की साजिश कर रही है। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। पंजाब और हरियाणा के किसानों को जो सुविधाएं दी गई हैं, वहीं सुविधाएं बिहार में देने की मैं मांग करता हूं।â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : मैं आप सब को बारी बारी से समय दे रहा हूं। श्री रघुवंश बाबू आप बैठ जायें। आपको भी समय. मिलेगा। श्री प्रभुनाथ सिंह जी।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : सभापति महोदय, श्री राजेश रंजन जी ने यह सवाल उठाया और बताया कि किस तरह से बिहार के किसानों के साथ दोरंगा व्यवहार किया जा रहा है। एक तरफ पंजाब, आन्ध्र प्रदेश के साथ एक मानक और दूसरी तरफ बिहार के साथ दूसरा मानक अपनाया जा रहा है। आज बिहार के किसान कंगाली के कगार पर पहुंच चुके हैं। यहां केन्द्र सरकार द्वारा 19 केन्द्र खोले जाने की बात कही जा रही है। हमने बिहार में कमिश्नर से फोन पर बात की थी तो हमें बताया गया कि केन्द्र खोले जाने वाले नामों की सूची गुम हो गई है । जब कमिश्नर कहता है कि सूची गुम हो चुकी है तो केन्द्र कहां खोले गये हैं और कहां पर किसानों के सामान की खरीदारी की गई है। बिहार के किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। मैं श्री पप्पू यादव की बात का समर्थन करते हुये अपनी बात रखना चाहूंगा कि सरकार इस बात को गम्भीरता से ले और इस सदन को अवगत कराये कि सरकार कहां पर केद्र खोलने जा रही है?

श्री राजीव प्रताप रूडी (छपरा) :सभापति जी, केन्द्र सरकार ने इस बात से आश्वस्त किया था कि एफ.सी.आई. के 19 केन्द्रों को बढ़ाकर 33 किया जायेगा तथा राज्य सरकार के PACS द्वारा क्रय किया गया धान एफ.सी.आई. द्वारा खरीद कर लिया जायेगा। लेकिन चार दिन पहले संबंधित बैंकों और को-आप्रेटिव सैक्रेटरी को एफ.सी.आई. ने नोटिस दिया है कि अब एफ.सी.आई. बिहार से कोई धान का प्रोक्योरमेंट नहीं करेगी। अगर हमारी एजेंसी नहीं कर पायेगी तो बिहार की PACS राज्य में प्रोक्योरमेंट करेगी। बिहार में 400 के लगभग PACS एक्टिविएट किये गये हैं जिन्होंने धान प्रोक्योर कर लिया है और एफ.सी.आई. के गोदामों की ओर ले जा रहे हैं लेकिन एफ.सी.आई. लेने से इनकार कर रही है। मैं आपके माध्यम से परिस्थिति विशेा में मंत्री महोदय का ध्यान आकर्ति करते हुये कहना चाहता हूं कि उक्त मुद्दा अपने आप में बहुत गंभीर है। राज्य के हालात बहुत खराब हैं। इस बात को देखते हुये जब एफ.सी.आई. PACS से धान नहीं क्रय कर रहा है तो वहां किसानों में गोली चलने की स्थिति आ गई है। एफ.सी.आई. के इस रवैये से राज्य में बहुत विरोध हो रहा है। सरकार इस ओर ध्यान दे।

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : सभापति महोदय, संबंधित मंत्री यहां उपस्थित नहीं हैं लेकिन माननीय सदस्य ने जो भावनायें यहां रखी हैं, मैं उन तक पहुंचा दूंगा।â€¦

(व्यवधान)

13.58 बजे

(इस समय श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सदस्य सभा पटल के निकट फर्श पर खड़े हो गए।)

सभापति महोदय : पप्पू यादव जी, सरकार ने सूचना ग्रहण कर ली है और संबंधित मंत्री तक पहुंचा दी जायेगी। अब आप अपने स्थान पर जाइये।

â€¦(व्यवधान)